M. A. (Final) Examination, 2001

SOCIOLOGY

Paper IX (B)

Sociology of Religion

Time: 3 Hours] [Maximum Marks: 100

किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए
सभी प्रश्नो के अंक समान है।

1. धर्म के समाजशास्त्र को परिभाषित करें तथा इसकी प्रकृति की विवेचना कीजिए।

2. धर्म एवं धार्मिक घटनाओं को दुर्खोम ने किस प्रकार परिभाषित किया है? रहस्य के विचार की उसने कैसे आलोचना की है?

3. ''धार्मिक एवं आर्थिक कारक अंतर-सम्बंधित एवं अंतर-निर्भर है।'' वैबर के संदर्भ में व्याख्या कीजिए।

4. धर्म की उत्पत्ति एवं उद्विकास पर एक निबंध लिखिए।

5. सामाजिक जीनव में धर्म के महत्व की व्याख्या कीजिए।

6. संस्कारों एवं उत्सवों के सामाजिक महत्व का मूल्यांकन करें।

7. क्या आप इस मत से सहमत है कि धर्म केवल जोड़ता ही नहीं वरन् विभाजित भी करता है? अपने उत्तर की पुष्टि भारतीय उदाहरणों द्वारा कीजिए।

8. हिन्दूवाद के आधार सिद्धांतों की विवेचना कीजिए तथा हिन्दूत्व के विवाद कह व्याख्या कीजिए।

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com

9. भक्ति आंदोलन के सामाजिक महत्व का परीक्षण करें।

10. निम्नलिखित में से किन्ही **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए:

अ- पवित्र एवं लौकिक

ब- इस्लाम

स- धर्मनिरपेक्षवाद

द- आर्य समाज

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com